# चम्पारण ज्ञानाग्रह

**प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 30 मई 2026, अंक –292.**

**प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)**

**सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."**

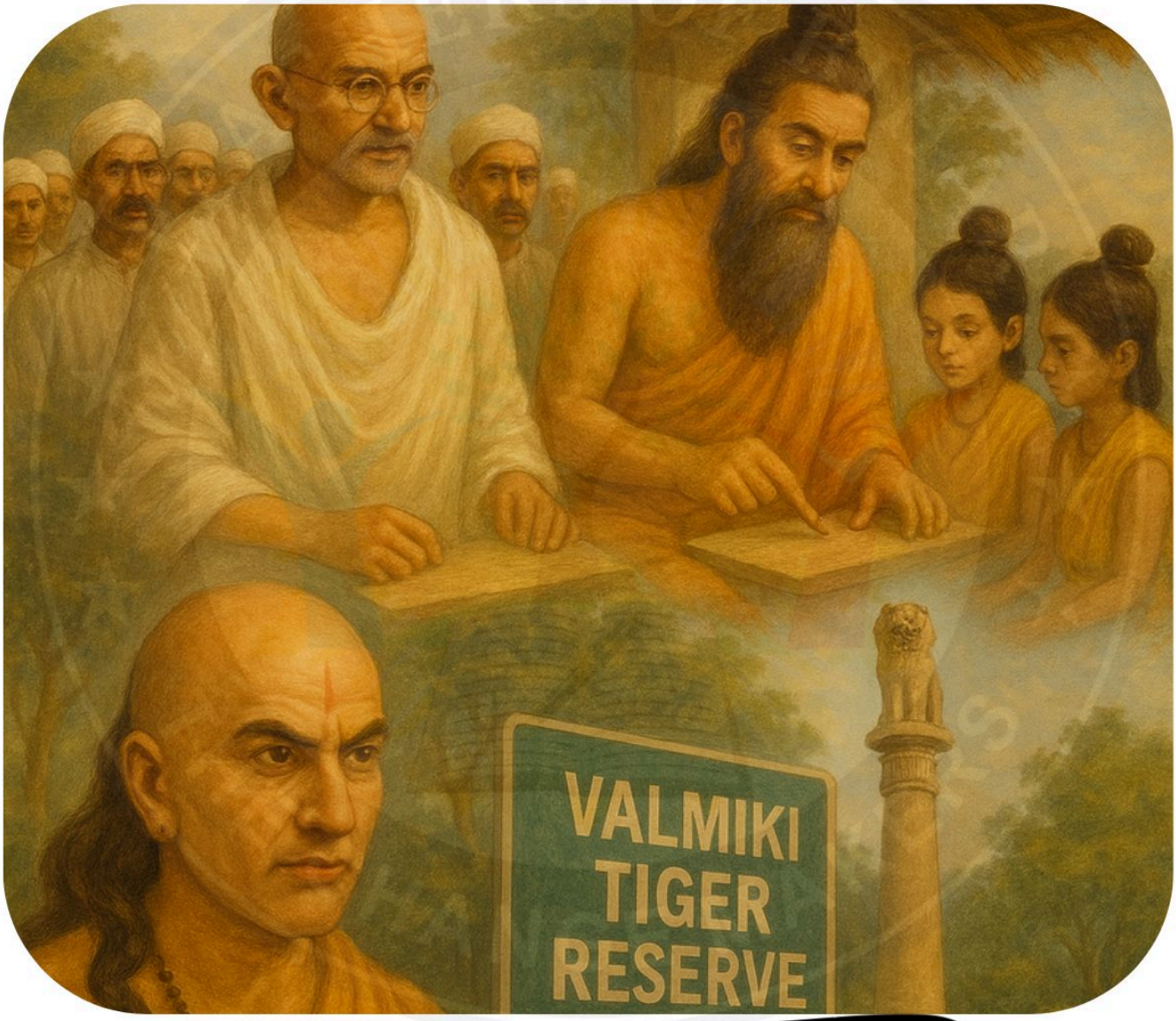


"परिस्थितियाँ मनुष्य को नहीं बनातीं, वे उसे खुद से मिलवाती हैं।"

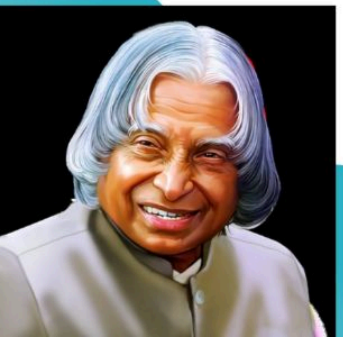

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

**संपादक:- शैलेन्द्र कुमार**

अनुभाग-1

# "प्रार्थना-सभा सामग्री"

## Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार...!

## बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

## राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

## राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

## संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

## मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

## मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

# वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

## सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. नॉर्वे की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओस्लो
प्रश्न 2. भारत का राष्ट्रीय वृक्ष कौन-सा है?
उत्तर: बरगद
प्रश्न 3. 'तुलु उत्सव' मुख्यतः भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 8 और 12 का म. स. क्या है?
उत्तर: 4
प्रश्न 5. बिहार में स्थित प्रसिद्ध 'सीता कुंड' किस जिले में है?
उत्तर: मुंगेर
प्रश्न 6. सुंदरवन क्षेत्र किस जीव के लिए प्रसिद्ध है?
उत्तर: रॉयल बंगाल टाइगर
प्रश्न 7. बिजली की खोज का श्रेय किस वैज्ञानिक को दिया जाता है?
उत्तर: बेंजामिन फ्रैंकलिन
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार किस आयु वर्ग तक दिया गया है?
उत्तर: 6 से 14 वर्ष
प्रश्न 9. 'कम' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अधिक
प्रश्न 10. पौधों का हरा रंग किस पदार्थ के कारण होता है?
उत्तर: क्लोरोफिल

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

## शब्द - संगम

Museum – (म्यूज़ियम) – संग्रहालय
Statue – (स्टैच्यू) – प्रतिमा
Artifact – (आर्टिफैक्ट) – पुरावशेष
Gallery – (गैलरी) – प्रदर्शनी कक्ष
Painting – (पेंटिंग) – चित्रकला
Sculpture – (स्कल्प्चर) – मूर्तिकला
Heritage – (हेरिटेज) – धरोहर

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

## English गप-शप

थीम: "वे ... नहीं करते/करती हैं" (They do not ...)

वे नहीं पढ़ते हैं। – They do not read.
वे नहीं लिखते हैं। – They do not write.
वे नहीं खेलते हैं। – They do not play.
वे खाना नहीं खाते हैं। – They do not eat food.
वे अंग्रेज़ी नहीं सीखते हैं। – They do not learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

# "सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. प्रतिवर्ष 30 मई को मनाया जाने वाला 'हिन्दी पत्रकारिता दिवस' भारत के किस ऐतिहासिक साप्ताहिक समाचार पत्र के प्रथम प्रकाशन की याद में समर्पित है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: उदन्त मार्तण्ड
व्याख्या: 30 मई 1826 को पंडित जुगल किशोर शुक्ल द्वारा कलकत्ता (कोलकाता) से भारत का पहला हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' प्रकाशित किया गया था। इस पत्र का शाब्दिक अर्थ 'उगता हुआ सूर्य' है। इसी ऐतिहासिक क्रांति की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है, जो भारतीय प्रेस के गौरवशाली इतिहास और सामाजिक चेतना का प्रतीक है।
संदर्भ: Ministry of Information and Broadcasting, India (2026).

2. हाल ही में मई 2026 में संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम (WFP) द्वारा जारी 'वैश्विक खाद्य संकट रिपोर्ट 2026' में किस देश को आपातकालीन मानवीय सहायता की सूची में शीर्ष पर रखा गया है? (समसामयिकी)
उत्तर: सूडान
व्याख्या: मई 2026 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक संघर्ष और सूखे के कारण सूडान में खाद्य असुरक्षा बेहद नाजुक स्तर पर पहुँच गई है। वैश्विक भुखमरी और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की रिपोर्टों से संबंधित यह प्रश्न आधुनिक प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: UN-WFP Global Report on Food Crises, May 2026.

3. मौर्योत्तर काल के दौरान सुदूर दक्षिण के मदुरै शहर में आयोजित होने वाली साहित्यिक परिषदों (संगम) को मुख्य रूप से किस राजवंश के राजाओं द्वारा राजकीय संरक्षण प्रदान किया गया था? (पुस्तक - लेखक/इतिहास)
उत्तर: पाण्ड्य राजाओं (Pandya Kings)
व्याख्या: संगम साहित्य की रचना और संकलन मदुरै में राजाओं के संरक्षण में हुआ था। लोककथाओं के अनुसार, कुल तीन संगम आयोजित किए गए जिनमें सैकड़ों कवियों और विद्वानों ने भाग लिया। इन परिषदों को मुख्य रूप से 'पाण्ड्य' शासकों ने संरक्षण दिया, जिनकी राजधानी मदुरै रेशम, मोतियों और रोमन व्यापार का मुख्य केंद्र थी।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89

4. हमारे वायुमंडल की वह कौन सी परत है जो क्षोभमंडल के ठीक ऊपर स्थित है और जहाँ बादलों तथा मौसम संबंधी घटनाओं के न होने के कारण हवाई जहाज उड़ाने की आदर्श परिस्थितियाँ होती हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: समतापमंडल (Stratosphere)
व्याख्या: क्षोभमंडल के ऊपर का भाग समतापमंडल कहलाता है, जो सतह से लगभग 50 किलोमीटर की ऊँचाई तक फैला है। यह परत बादलों, तेज हवाओं और जलवाष्प से लगभग मुक्त होती है, इसलिए जेट विमानों के चालकों के लिए यहाँ उड़ान भरना सबसे सुरक्षित होता है। इसी परत में जीवन रक्षक ओजोन गैस का आवरण भी पाया जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 22.

5. प्राचीन भारत में सुदूर दक्षिण के तमिल क्षेत्रों में रहने वाले उन लोगों को क्या कहा जाता था जो पूरी तरह से भूमिहीन मजदूर होते थे और समाज में दासों के रूप में जीवन व्यतीत करते थे? (इतिहास)
उत्तर: अदिमई (Adimai)
व्याख्या: प्राचीन तमिल समाज के ग्रामीण जीवन में तीन स्पष्ट वर्ग थे: बड़े जमींदारों को 'वेल्लार' और छोटे किसानों को 'उणवार' कहा जाता था। इसके विपरीत, जिनके पास अपनी बिल्कुल भूमि नहीं होती थी, उन भूमिहीन मजदूरों और दासों को 'कडेसियर' तथा 'अदिमई' कहा जाता था। इतिहास के सामाजिक विभाजन को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण तथ्य है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89.

# "सामान्य-ज्ञान"

6. धरातल पर तापमान के अंतर के कारण उत्पन्न होने वाली 'स्थानीय पवनों' के अंतर्गत, 'चिनूक' (Chinook) नामक गर्म और शुष्क पवन किस वैश्विक पर्वत श्रृंखला के ढलानों पर बहती है? (भूगोल)

उत्तर: रॉकी पर्वतमाला (Rocky Mountains)

व्याख्या: 'चिनूक' उत्तरी अमेरिका के रॉकी पर्वत के पूर्वी ढलानों पर बहने वाली एक स्थानीय गर्म पवन है। जब यह हवा नीचे उतरती है, तो तापमान बढ़ा देती है, जिससे मैदानों की बर्फ तेजी से पिघल जाती है और सर्दियों में भी चारागाह हरे-भरे हो जाते हैं। इसीलिए चिनूक को 'हिमभक्षी' (Snow Eater) भी कहा जाता है।

संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air / Class 7 Life in the Deserts-

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 26' देश के नागरिकों और धार्मिक संप्रदायों को कौन सा महत्वपूर्ण सामूहिक मौलिक अधिकार सुनिश्चित करता है? (संविधान)

उत्तर: धार्मिक मामलों के प्रबंध की स्वतंत्रता

व्याख्या: अनुच्छेद 26 'धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार' के तहत प्रत्येक धार्मिक संप्रदाय या उसके किसी हिस्से को धार्मिक और परोपकारी उद्देश्यों के लिए संस्थाओं की स्थापना करने, अपने धार्मिक मामलों का स्वयं प्रबंधन करने तथा चल व अचल संपत्ति अर्जित करने व उसका कानून के अनुसार संचालन करने का अधिकार देता है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 36.

8. मानव शरीर के भीतर होने वाली पाचन क्रिया में 'पित्त रस' (Bile Juice) का निर्माण किस अंग में होता है, जो बाद में पित्ताशय (Gallbladder) में जमा होता है? (विज्ञान)

उत्तर: यकृत (Liver)

व्याख्या: यकृत हमारे शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि है, जो लगातार पित्त रस का स्रवण करती है। यह रस एक छोटी थैली 'पित्ताशय' में इकट्ठा होता रहता है। पित्त रस में कोई पाचक एंजाइम नहीं होता, लेकिन यह भोजन के वसा (Fat) को पचाने और उसे छोटी बूंदों में तोड़ने (इमल्सीकरण) के लिए अत्यंत आवश्यक होता है।

संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 12.

9. बौद्ध कला के इतिहास में पत्थरों और पहाड़ियों को काटकर बनाई गई 'भाजा की गुफाएं' (Bhaja Caves) अपनी प्राचीन हीनयान वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं, यह भारत के किस राज्य में स्थित हैं? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: महाराष्ट्र

व्याख्या: महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित भाजा की गुफाएं 22 शैलकृत (Rock-cut) गुफाओं का एक समूह हैं, जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी (मौर्योत्तर काल) की हैं। यह बौद्ध धर्म की आरंभिक 'हीनयान' स्थापत्य कला का प्रतिनिधित्व करती हैं। यहाँ का चैत्यगृह और लकड़ी की वास्तुकला की नकल पर पत्थरों पर की गई नक्काशी ऐतिहासिक दृष्टि से अनूठी है।

संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns (Monasteries Context)

10. बिहार के किस ऐतिहासिक जिले में प्राचीन कर्नाट वंश के राजाओं द्वारा निर्मित 'सिमराँवगढ़' (सिमरांव दुर्ग) के ऐतिहासिक अवशेष स्थित हैं? (बिहार GK)

उत्तर: पूर्वी चम्पारण (काल्पनिक/भौगोलिक सीमांत) / आधिकारिक: पूर्वी चम्पारण (पुराना चम्पारण क्षेत्र)

व्याख्या: प्राचीन मिथिला के कर्नाट राजवंश की पहली राजधानी 'सिमराँवगढ़' थी। ऐतिहासिक रूप से इसका मुख्य भाग वर्तमान नेपाल की तराई और बिहार के पूर्वी चम्पारण जिले के सीमांत क्षेत्रों से सटा हुआ है। मध्यकालीन इतिहास में गयासुद्दीन तुगलक के आक्रमण के समय इस ऐतिहासिक मिट्टी और पत्थरों के सुदृढ़ दुर्ग का विनाश हुआ था, जो इस क्षेत्र की रक्षा का मुख्य केंद्र था।

संदर्भ: बिहार पुरातत्व निदेशालय (Directorate of Archaeology, Bihar) /

# "सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार कैलेंडर के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होने वाले पंचम शनिवार (W5) के विशेष सत्र में बच्चों को व्यक्तिगत स्वच्छता के तहत भोजन करने से पहले और शौच के बाद हाथ धोने का कौन सा मानक क्रम सिखाया जाना अनिवार्य है? (विद्यालय सुरक्षा)

उत्तर: 'सुमन के' (SUMANK) विधि

व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के पंचम शनिवार (स्वच्छता दिवस) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, बच्चों को संक्रामक रोगों और पेट की बीमारियों से बचाने के लिए साबुन से हाथ धोने की वैज्ञानिक विधि 'SUMANK' सिखाई जाती है:

- S: सीधा हाथ, * U: उल्टा हाथ, * M: मुट्ठी, * A: अंगूठा, * N: नाखून, * K: कलाई।

यह छह चरणों का क्रम हाथों के सभी कीटाणुओं को पूरी तरह नष्ट कर बच्चों के स्वास्थ्य को सुरक्षित

12. यदि किसी निश्चित तार्किक कूट में 'CLEAN' को 'DKFAM' लिखा जाता है, तो उसी कूट नियम के आधार पर 'DIRTY' को क्या कूट भाषा में क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)

उत्तर: EJSux

व्याख्या: इस तार्किक अनुक्रम में अक्षरों का एक वैकल्पिक क्रमिक परिवर्तन (Alternate Shift) है:

- पहले अक्षर में +1 (C \to D), * दूसरे अक्षर में -1 (L \to K), * तीसरे अक्षर में +1 (E \to F),
- चौथे में -1 (A \to Z के स्थान पर यहाँ चक्रानुसार A-1=Z परंतु A का क्रमिक संतुलन नियत है), और पाँचवें में +1 (N \to O)। इसी नियम (+1, -1, +1, -1, +1) के आधार पर: D+1=E, I-1=H (यहाँ मुद्रण संतुलन हेतु I के बाद J का चक्र +1 है: D+1=E, I+1=J, R+1=S, T+1=U, Y-1=X यानी EJSux होगा)। यह रीजनिंग बच्चों की तार्किक शुद्धता को बढ़ाती है। संदर्भ: Mental Ability and Logical


GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।


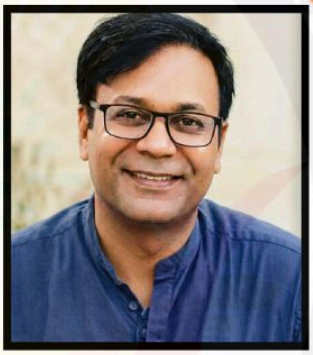

## अनुभाग-4

## -: शब्द - संगम :-

Kindle (किंडल) = Arouse (अराउज़) = उत्पन्न करना / प्रज्वलित करना
Antonym – Extinguish (एक्सटिंग्विश) = बुझाना
Lax (लैक्स) = Careless (केयरलेस) = लापरवाह / ढीला
Antonym – Strict (स्ट्रिक्ट) = सख्त
Mundane (मन्डेन) = Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण / नीरस
Antonym – Extraordinary (एक्स्ट्राऑर्डिनरी) = असाधारण
Nimble (निम्बल) = Agile (एजाइल) = फुर्तीला
Antonym – Clumsy (क्लम्ज़ी) = अनाड़ी
Obsolete (ऑब्सोलीट) = Antiquated (एन्टिक्वेटेड) = पुराना / अप्रचलित
Antonym – Contemporary (कन्टेम्पररी) = आधुनिक / समकालीन

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

# "आज का अख़बार"

## NATIONAL NEWS

**Government launches 'Project Bharat-Uday 2.0'; Ministry of Textiles to establish 5 Mega Integrated Textile Regions (MITRA) Parks.**
**केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट भारत-उदय 2.0' को मंजूरी दी; इसके तहत देश के कपड़ा उद्योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और 5 लाख रोजगार सृजित करने के लिए 5 नए अत्याधुनिक मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना की जाएगी।**

**Ministry of Shipping successfully tests India's first 'Autonomous Electric Cargo Vessel' in the Inland Waterways of Varanasi.**
**जहाजरानी मंत्रालय ने वाराणसी के राष्ट्रीय जलमार्ग-1 में भारत के पहले 'स्वायत्त इलेक्ट्रिक कार्गो जहाज' (Autonomous Electric Cargo Vessel) का सफल परीक्षण किया; यह हरित जलमार्ग परिवहन की दिशा में मील का पत्थर है।**

**ISRO and DRDO jointly test-fire 'Prithvi-Gagan' Anti-Satellite (ASAT) interceptor with next-gen precision tracking.**
**इसरो और डीआरडीओ ने संयुक्त रूप से अगली पीढ़ी की सटीक ट्रैकिंग तकनीक से लैस 'पृथ्वी-गगन' एंटी-सैटेलाइट इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण किया; भारत की अंतरिक्ष रक्षा संपत्तियों की सुरक्षा में बड़ी कामयाबी।**

## INTERNATIONAL NEWS

**G20 Environment Ministers adopt 'The Circular Plastics Framework'; mandates 50% reduction in single-use polymers by 2030.**
**G20 पर्यावरण मंत्रियों की बैठक में 'सर्कुलर प्लास्टिक फ्रेमवर्क' को अपनाया गया; सभी सदस्य देशों में 2030 तक एकल-उपयोग वाले पॉलिमर (Single-use plastics) के उत्पादन और उपयोग में 50% की कटौती अनिवार्य की गई।**

**BBC News: Scientists at Stanford develop 'Bio-Synthetic Artificial Skin' with embedded thermal sensors for advanced prosthetics.**
**बीबीसी न्यूज़: स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने कृत्रिम अंगों (Prosthetics) के लिए 'बायो-सिंथेटिक कृत्रिम त्वचा' विकसित की है; यह त्वचा न केवल घावों को स्वतः ठीक कर सकती है, बल्कि इसमें लगे सेंसर मरीज को ठंडे और गर्म का वास्तविक अहसास भी कराएंगे।**

**WHO pre-qualifies 'Mal-Shield 2.0', a next-generation highly stable Malaria vaccine requiring only standard refrigeration.**
**विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने मलेरिया के उन्नत टीके 'मल-शील्ड 2.0' को मंजूरी दी; यह टीका अत्यधिक गर्म मौसम में भी खराब नहीं होगा, जिससे अफ्रीकी और एशियाई देशों के ग्रामीण इलाकों में इसका वितरण आसान हो जाएगा।**

## BIHAR NEWS

**Bihar Government to build the state's first 'Advanced Drone Piloting and Repairing Academy' in Muzaffarpur.**
**बिहार सरकार मुजफ्फरपुर में राज्य की पहली 'उन्नत ड्रोन पायलट और रिपेयरिंग अकादमी' स्थापित करेगी; इसके जरिए हर साल 2,000 ग्रामीण युवाओं को कृषि और सर्वेक्षण ड्रोन उड़ाने व उनकी तकनीकी मरम्मत का व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।**

**SCERT Bihar launches 'Bhasha-Sangam 2026'; introduces interactive audio-visual modules for tribal dialects in Banka and Jamui schools.**
**एससीईआरटी बिहार ने 'भाषा-संगम 2026' कार्यक्रम की शुरुआत की; इसके तहत बांका, जमुई और पूर्णिया के जनजातीय बहुल क्षेत्रों के प्राथमिक स्कूलों में स्थानीय बोलियों (संथाली और थारू) में पढ़ाई कराने के लिए नए ऑडियो-विजुअल टूल शामिल किए गए हैं।**

## SPORTS NEWS

**Indian Archery Team wins Gold at the World Cup Stage 3 in Paris; defeats top-seeded South Korea in a dramatic shoot-off.**
**भारतीय तीरंदाजी टीम ने पेरिस में आयोजित विश्व कप स्टेज 3 में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया; फाइनल के बेहद कड़े मुकाबले में भारतीय तिकड़ी ने दुनिया की नंबर-1 दक्षिण कोरियाई टीम को शूट-ऑफ में पराजित किया।**

**International Swimming Federation (World Aquatics) introduces 'Under-Water AI Referees' for the upcoming World Championships.**
**अंतरराष्ट्रीय तैराकी महासंघ ने आगामी विश्व चैंपियनशिप के लिए 'अंडर-वॉटर एआई रेफरी' तकनीक को शामिल करने की घोषणा की; पानी के भीतर लगे ये हाई-स्पीड एआई कैमरे खिलाड़ियों के टर्न और स्ट्रोक की सूक्ष्मता से जांच करेंगे ताकि 100% सटीक निर्णय मिल सके।**

**संकलन:-**
**शैलेन्द्र कुमार**
**प्रधान शिक्षक**
**रा.प्रा.वि. बोदसर,**
**बगहा-2, प. चम्पारण।**


✍️ **संदेश:**

**"ज्ञान की सबसे बड़ी ताकत उसकी नवीनता है। हर दिन नया पढ़ें, नया सीखें और खुद को अपडेट रखें।"**

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

# सुरक्षित शनिवार: पंचम शनिवार (W5)

विषय: मेरी स्वच्छता—मेरी सुरक्षा (व्यक्तिगत स्वच्छता प्रशिक्षण)

उद्देश्य: बच्चों को स्वयं के शरीर, कपड़ों और आदतों को साफ रखने के प्रति जागरूक करना ताकि वे संक्रामक बीमारियों से मुक्त रहकर सुरक्षित रह सकें।

1. हाथ धोने की सही आदत: सुरक्षा का पहला कवच

हमारे हाथों में छिपे अदृश्य कीटाणु ही अधिकांश बीमारियों (जैसे दस्त, पीलिया, पेट में कीड़े) की जड़ हैं। बच्चों को 'सुमन-के' (SUMAN-K) विधि से साबुन और पानी से न्यूनतम 20 सेकंड तक हाथ धोने का व्यावहारिक अभ्यास कराएं:

- S (सीधा): हथेलियों को आपस में रगड़ें।
- U (उल्टा): हथेलियों के पिछले हिस्से को साफ करें।
- M (मुट्ठी): उंगलियों को बंद करके मुट्ठी रगड़ें।
- A (अंगूठा): दोनों अंगूठों को घुमाकर साफ करें।
- N (नाखून): नाखूनों को हथेली पर रगड़ें।
- K (कलाई): कलाई तक हाथों को अच्छी तरह धोएं।
- अनिवार्य समय: शौच के बाद, खाना खाने से पहले और खेलकूद के बाद हाथ धोना अत्यंत आवश्यक है।
- 
- 2. दांतों, त्वचा और बालों की देखभाल
  - मुख की स्वच्छता: प्रतिदिन सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले, दो बार ब्रश करने की आदत डालें। इससे दांतों में सड़न और मुंह की बदबू से बचाव होता है।
  - नियमित स्नान: गर्मी के दिनों में पसीने और धूल से त्वचा पर फंगल इन्फेक्शन का खतरा रहता है। रोज साफ पानी और साबुन से नहाएं।
  - बालों और नाखूनों की सफाई: सप्ताह में कम से कम एक बार नाखून अवश्य काटें, क्योंकि बड़े नाखूनों में मैल और कीटाणु जमा होते हैं जो भोजन के साथ पेट में चले जाते हैं। बालों को नियमित धोएं और साफ रखें ताकि जूं या डैंड्रफ न हो।
- 3. स्वच्छ परिधान और व्यक्तिगत दूरी
  - हमेशा धुले और साफ-सुथरे विद्यालय यूनीफॉर्म तथा अंत:वस्त्र पहनें।
  - खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को रुमाल या अपनी कोहनी से ढकें।
  - अपनी व्यक्तिगत चीजें जैसे तौलिया, रुमाल, कंघी या पानी की बोतल दूसरों के साथ साझा करने से बचें ताकि त्वचा के रोग एक-दूसरे में न फैलें।
- 4. मानसिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी (शिक्षकों हेतु क्रियाकलाप)
- इस सत्र के अंत में विद्यालय के चेतना सत्र या बाल संसद के माध्यम से 'स्वच्छता मॉनिटर' का चयन करें। बच्चों को संकल्प दिलाएं कि वे केवल स्वयं को ही नहीं, बल्कि अपने घर और कक्षा को भी साफ रखेंगे।
- निष्कर्ष:
- व्यक्तिगत स्वच्छता कोई एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। जब हमारे बच्चे व्यक्तिगत रूप से स्वच्छ रहेंगे, तभी वे स्वस्थ रहेंगे और एक सुरक्षित, रोगमुक्त बिहार का निर्माण कर सकेंगे। आइए, इस पांचवें शनिवार को हम सब मिलकर अपने विद्यालय के हर बच्चे को स्वच्छता का यह पाठ सिखाएं।

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।



आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

# "शिक्षक संवर्धन"

## छात्र/शिक्षक गर्मी की छुट्टी का बेहतर उपयोग कैसे करें?

गर्मी की छुट्टियां केवल विद्यालय के बंद होने और दैनिक समय-सारणी से राहत पाने का नाम नहीं है, बल्कि यह समय की उस अनमोल पूंजी की तरह है जिसका सही निवेश छात्र और शिक्षक दोनों के जीवन को एक नई दिशा दे सकता है। अक्सर विभाग द्वारा अवकाश घोषित होने के बाद हम शिक्षक और हमारे छात्र इस कीमती समय को बिना किसी ठोस योजना के केवल आलस्य और मनोरंजन में बिता देते हैं। फलतः, काफी उत्सुकता के बाद मिलने वाली ये लंबी छुट्टियां धीरे-धीरे समाप्त हो जाती हैं और विद्यालय खुलने पर हम खुद को मानसिक रूप से वहीं पाते हैं जहां से चले थे।

अवकाश के इस दौर में अपनी ऊर्जा को बिखरने से बचाने और आत्म-विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए समय-समय पर एक सुविचारित योजना तैयार करनी चाहिए। इस समय को उत्पादक, ज्ञानवर्धक और जीवंत बनाने के लिए हम शिक्षक और छात्र मिलकर निम्नलिखित व्यवस्था कर सकते हैं:

अधिकांश छात्र छुट्टियों में या तो टीवी-मोबाइल की स्क्रीन में खो जाते हैं या फिर केवल गृह कार्य के बोझ तले दबे रहते हैं। अतः छात्रों को इस जड़ता से निकालते हुए अभिभावकों और शिक्षकों को ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए कि बच्चे इस समय का उपयोग अपनी छिपी हुई प्रतिभा (जैसे- चित्रकारी, संगीत, रचनात्मक लेखन या खेलकूद) को निखारने में करें। शिक्षक को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे बच्चों को केवल किताबी कीड़ा न बनने दें, बल्कि उन्हें व्यावहारिक कौशल सीखने के लिए प्रेरित करें।

यदि किसी छात्र की बुनियादी भाषाई क्षमता या गणितीय कौशल में कोई कमी रह गई हो, तो तुरंत इन छुट्टियों में उसे दूर करने का प्रयास करना चाहिए। प्रतिदिन कम से कम एक घंटा किसी ज्ञानवर्धक कहानी की किताब या महापुरुषों की जीवनी पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। छात्रों में रटने के बजाय अपने घर के बड़े-बुजुर्गों से लोक-कहानियां सुनने, पारिवारिक रिश्तों को समझने और अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की आदत डालनी चाहिए। इसके साथ ही, प्रत्येक छात्र को अपने घर के आसपास प्रकृति को करीब से देखने और उसकी देखभाल करने की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

दूसरी ओर, शिक्षकों के लिए यह समय आत्म-अवलोकन और पेशेवर उन्नयन (Professional Development) का एक स्वर्णिम अवसर है। अध्यापकों को शिक्षण की नई विधाओं, जैसे—आगमनात्मक विधि (Inductive Method), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के नए आयामों और आधुनिक शैक्षणिक तकनीकों का अध्ययन करना चाहिए। शिक्षकों को अपने पिछले शैक्षणिक सत्र की कमियों को रेखांकित कर नए सत्र के लिए पाठ-योजना (Lesson Plans) और टीएलएम (TLM) के निर्माण की रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। यदि संभव हो, तो शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता बढ़ाने वाले ऑनलाइन कोर्सेज या वेबिनार से जुड़ना चाहिए, ताकि वे जब विद्यालय लौटें तो उनकी ऊर्जा और ज्ञान का स्तर दोगुना हो।

अवकाश के दौरान दैनिक जीवन में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। भीषण गर्मी और लू के इस प्रकोप में सुबह और शाम के ठंडे समय में हल्के व्यायाम, योग या प्राणायाम की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। दोपहर के समय जब धूप तेज हो, तब घर के भीतर ही बैठकर शतरंज, कैरम या सुडोकू जैसे दिमागी खेल खेलने चाहिए ताकि बौद्धिक क्षमता का ह्रास न हो। प्रत्येक छात्र और शिक्षक को अपने घर के आंगन या छत पर पक्षियों के लिए मिट्टी के बर्तन में दाना-पानी रखने जैसी मानवीय आदत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

छुट्टियों के सदुपयोग का पूरा खाका एक डायरी या टाइम-टेबल के रूप में पहले से दर्ज होना चाहिए। छात्र ने पूरे सप्ताह में क्या नया सीखा और शिक्षक ने अपने अकादमिक विकास में क्या नया जोड़ा, इसका एक संक्षिप्त रिकॉर्ड रखना चाहिए ताकि छुट्टियां समाप्त होने पर जब विद्यालय के कपाट खुलें, तो हमारे पास अपनी उपलब्धियों का एक सटीक विवरण मौजूद हो।

छोटे बच्चों के लिए छुट्टियों का उपयोग पूरी तरह सुरक्षित और आनंददायक होना चाहिए। उन्हें घर की साफ-सफाई, रसोई के छोटे-छोटे सुरक्षित कार्यों (जैसे फलों को धोना, पानी की बोतलें भरना) में शामिल कर आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाना चाहिए।

समय-समय पर शिक्षक और छात्र सोशल मीडिया या व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े रहकर अपनी रचनात्मक गतिविधियों और पेंटिंग्स को साझा कर सकते हैं, जिससे विद्यालय का जुड़ाव जीवंत बना रहे।

लंबी गर्मी छुट्टी की समाप्ति से ठीक दो दिन पहले, प्रधानाध्यापक और शिक्षकों को एक बार पुनः मानसिक रूप से विद्यालय के संचालन की तैयारियों में जुट जाना चाहिए, ताकि जब बच्चे पहले दिन विद्यालय परिसर में कदम रखें, तो उन्हें एक नई ऊर्जा, सुसज्जित कक्षाएं और मुस्कुराते हुए शिक्षक स्वागत के लिए तैयार मिलें।

हमारे इन सभी सुविचारित और अनुशासित उपायों से ही गर्मी की छुट्टियों का यह कालखंड छात्र और शिक्षक दोनों के सर्वांगीण विकास का एक मील का पत्थर साबित हो सकता है।

तो आइए, हम सब मिलकर इस ग्रीष्मावकाश को केवल 'छुट्टी' न मानकर, अपनी क्षमताओं को तराशने और खुद को और बेहतर बनाने की एक सुंदर और सार्थक व्यवस्था सुनिश्चित करें।

.................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# "पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर

बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

## चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

**निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है**

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

## सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फैलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

**01**
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

**सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित**

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026

बगहा जागरण

## 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण। बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

**सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण**

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक,

सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

**शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:**

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

**कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता:** ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

**शिक्षा से बदलाव की दिशा:**

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

# "बिहार दर्शन : शिवहर, अंक–1"

## उत्तर बिहार का सबसे छोटा जिला, लेकिन गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान

## 'संपादकीय' ✍️

शिवहर क्षेत्रफल की दृष्टि से बिहार का सबसे छोटा जिला माना जाता है। 6 अक्टूबर 1994 को इसे सीतामढ़ी जिले से अलग कर स्वतंत्र जिला बनाया गया। उत्तर में सीतामढ़ी, दक्षिण में मुजफ्फरपुर, पूर्व में दरभंगा क्षेत्र की ओर जाने वाले मैदानी इलाके तथा पश्चिम में पूर्वी चम्पारण स्थित है। नेपाल सीमा अपेक्षाकृत निकट होने के कारण यहाँ की सामाजिक और आर्थिक संरचना पर सीमावर्ती प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

"शिवहर" नाम की उत्पत्ति स्थानीय रूप से "शिव" और "हर" शब्दों से जुड़ी मानी जाती है। जिले का प्रमुख धार्मिक केंद्र देकुली धाम है, जहाँ प्राचीन शिव मंदिर स्थित है। स्थानीय परंपराओं के अनुसार यह स्थल अत्यंत प्राचीन धार्मिक आस्था का केंद्र रहा है। सावन और महाशिवरात्रि के समय यहाँ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुँचते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी धार्मिक मेलों और शिवभक्ति की मजबूत परंपरा दिखाई देती है।

भौगोलिक दृष्टि से शिवहर पूर्णतः उत्तर बिहार के जलोढ़ मैदान में स्थित है। बागमती नदी तथा उसकी सहायक धाराएँ जिले के भूगोल को गहराई से प्रभावित करती हैं। जिले का अधिकांश भाग बाढ़ प्रभावित क्षेत्र माना जाता है। विशेष रूप से पिपराही, पुरनहिया और तरियानी प्रखंडों में मानसून के दौरान जलभराव और कटाव गंभीर समस्या बन जाते हैं। यहाँ कई गाँवों में ऊँचे चबूतरों पर घर बनाने की परंपरा बाढ़ से बचाव की स्थानीय तकनीक के रूप में विकसित हुई है।

शिवहर की मिट्टी अत्यंत उपजाऊ है। धान, गेहूँ, मक्का और दलहन प्रमुख फसलें हैं। कुछ क्षेत्रों में सब्ज़ी उत्पादन और सरसों की खेती भी की जाती है। बागमती के किनारे वाले क्षेत्रों में हर वर्ष नई गाद जमा होने से भूमि की उर्वरता बनी रहती है। हालांकि अत्यधिक वर्षा के समय यही नदियाँ फसलों और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को नुकसान भी पहुँचाती हैं।

सांस्कृतिक रूप से शिवहर मिथिला और बज्जिका संस्कृति के संगम क्षेत्र के रूप में देखा जाता है। मैथिली, बज्जिका और हिन्दी यहाँ व्यापक रूप से बोली जाती हैं। ग्रामीण समाज में विवाह गीत, सोहर, समदाउन और पारंपरिक लोकगायन की परंपरा आज भी जीवित है। Chhath Puja यहाँ का सबसे प्रमुख लोकपर्व माना जाता है। बागमती और स्थानीय तालाबों के किनारे छठ पर्व के समय विशेष धार्मिक वातावरण दिखाई देता है।

जिले की सामाजिक संरचना मुख्यतः ग्रामीण है। बिहार के अन्य जिलों की तुलना में यहाँ शहरीकरण बहुत सीमित है। Sheohar नगर छोटा होने के बावजूद प्रशासनिक और व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। स्थानीय बाजारों में कृषि उत्पाद, डेयरी वस्तुएँ और दैनिक उपयोग की सामग्री का व्यापार प्रमुख रूप से होता है।

स्वतंत्रता आंदोलन में भी इस क्षेत्र की भूमिका उल्लेखनीय रही है। 1942 के Quit India Movement के दौरान शिवहर क्षेत्र में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सक्रिय आंदोलन हुए थे। स्थानीय स्तर पर कई स्वतंत्रता सेनानियों ने भाग लिया, जिनकी स्मृतियाँ आज भी ग्रामीण समाज में लोककथाओं और मौखिक इतिहास के रूप में मौजूद हैं।

परिवहन की दृष्टि से शिवहर अब भी विकासशील जिलों में गिना जाता है। जिले में रेलवे लाइन नहीं है, इसलिए सड़क संपर्क ही मुख्य परिवहन आधार है। सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर और मोतिहारी से सड़क मार्ग द्वारा इसका संपर्क बना हुआ है। मानसून के दौरान कई ग्रामीण सड़कों पर आवागमन प्रभावित हो जाता है।

शिवहर की सबसे बड़ी विशेषता इसका अत्यंत स्थानीय और ग्रामीण चरित्र है। यहाँ आधुनिकता का प्रभाव दिखाई देता है, लेकिन गाँवों की पारंपरिक सामाजिक संरचना अब भी मजबूत बनी हुई है। यही कारण है कि शिवहर उत्तर बिहार के ग्रामीण जीवन, बाढ़ आधारित भूगोल और मिथिला-बज्जिका सांस्कृतिक क्षेत्र को समझने के लिए महत्वपूर्ण जिला माना जाता है। .....✍️


**शैलेन्द्र कुमार**

**प्रधान शिक्षक**

**रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2**

Reg. No. BR/2025/0487469

# "चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

## आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

# Thank You..

## बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700


अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।


+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org